

## ● सुनो, समझो और गाओ :

### २. तूफानों से क्या डरना

- शिखा शर्मा

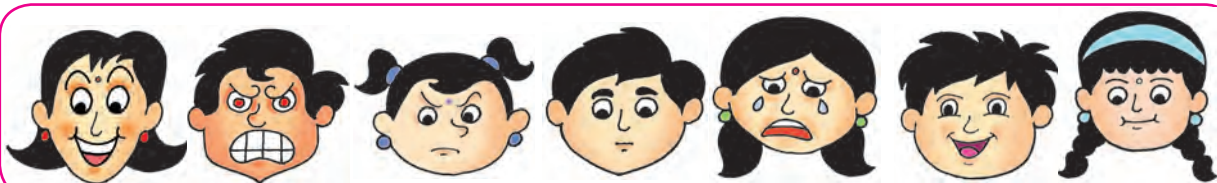
परिचय : शिखा शर्मा प्रसिद्ध कवयित्री मानी जाती हैं।

प्रस्तुत कविता में मनुष्य की जुझारू वृत्ति को दर्शाया गया है।



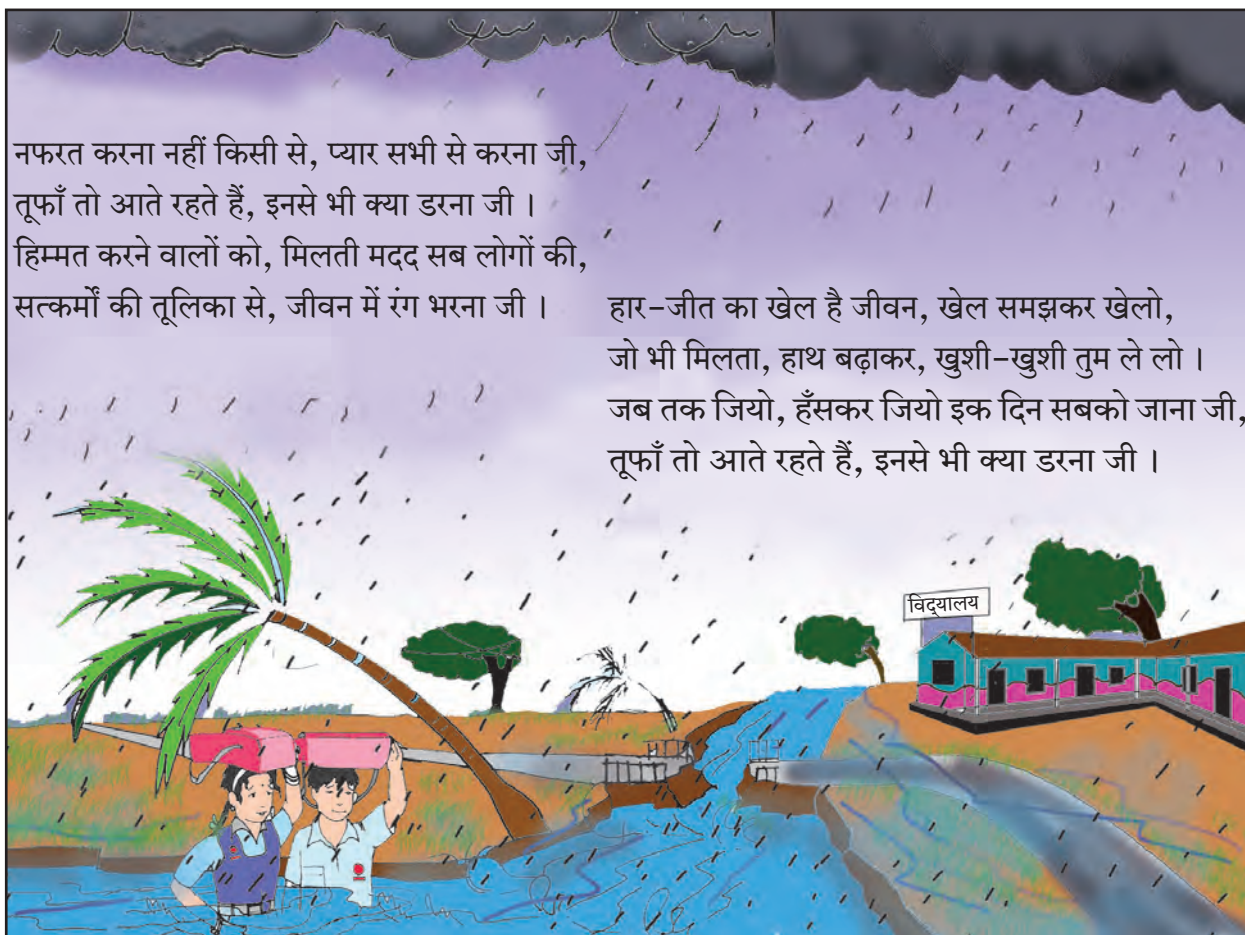
स्वयं अध्ययन

\* चित्र देखकर हाव-भाव की नकल करो।



नफरत करना नहीं किसी से, प्यार सभी से करना जी,  
तूफ़ाँ तो आते रहते हैं, इनसे भी क्या डरना जी।  
हिम्मत करने वालों को, मिलती मदद सब लोगों की,  
सत्कर्मों की तूलिका से, जीवन में रंग भरना जी।

हार-जीत का खेल है जीवन, खेल समझकर खेलो,  
जो भी मिलता, हाथ बढ़ाकर, खुशी-खुशी तुम ले लो।  
जब तक जियो, हँसकर जियो इक दिन सबको जाना जी,  
तूफ़ाँ तो आते रहते हैं, इनसे भी क्या डरना जी।

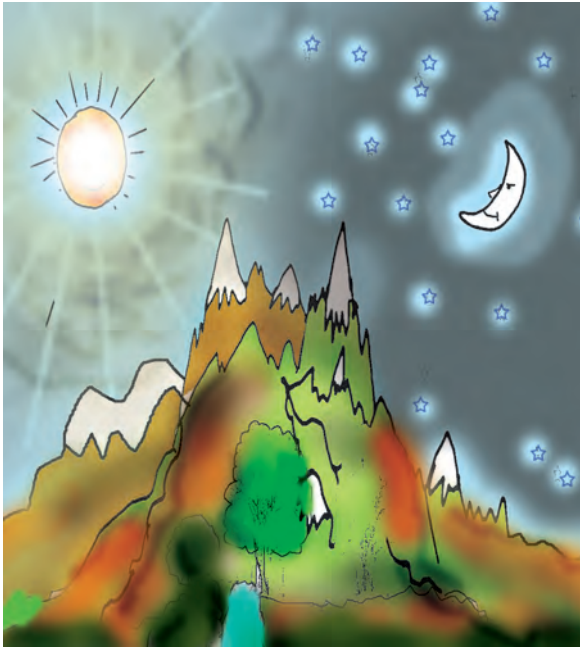


□ विद्यार्थियों का ध्यान लयात्मकता की ओर आकर्षित करते हुए कविता शीघ्रता से कहलवाएँ। उनसे मुखर वाचन, मौन वाचन करने के लिए कहें, फिर नए शब्दों के अर्थ पूछें। कविता में आए जीवन मूल्यों पर गहन विश्लेषणात्मक चर्चा कराएँ।



## खोजबीन

भारतीय स्थानीय समय के अनुसार देश-विदेश के समय की तालिका बनाओ ।



धूप-छाँव जीवन का हिस्सा, कभी उजाला, कभी अँधेरा,  
रात हो चाहे जितनी लंबी, उसका भी है अंत सवेरा ।  
समय एक-सा कभी न रहता, थोड़ा धीरज धरना जी,  
तूफ़ाँ तो आते रहते हैं, इनसे भी क्या डरना जी ।



देह-अभिमान के कारण, देखो कितनी महामारी है,  
सबको सच्ची राह दिखाना, अपनी जिम्मेदारी है ।  
आत्मज्ञान के दीप जलाकर, दूर अँधेरा करना जी,  
तूफ़ाँ तो आते रहते हैं, इनसे भी क्या डरना जी ।



## मैंने समझा



## शब्द वाटिका

### नए शब्द

सत्कर्म = अच्छा कार्य

अभिमान = घमंड

महामारी = संक्रामक भीषण रोग

तूलिका = ब्रश

धीरज = धैर्य

आत्मज्ञान = स्वयं का ज्ञान

देह = शरीर



## भाषा की ओर

कविता में आए किन्हीं पाँच शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द लिखो ।

..... × .....

..... × .....

..... × .....

..... × .....

..... × .....



**सुनो तो जरा**

रेडियो पर एकाग्रता से भजन सुनो और दोहराओ ।



**बताओ तो सही**

‘साक्षरता अभियान’ के बारे में जानकारी बताओ ।



**वाचन जगत से**

मीरा का पद पढ़ो और सरल अर्थ बताओ ।



**मेरी कलम से**

महीने में एक बार कविता का श्रुतलेखन करो ।



**जरा सोचो ..... चर्चा करो**

यदि समय का चक्र रुक जाए तो .....

**\* इस कविता का सार लिखो ।**

**सदैव ध्यान में रखो**



हमारी सोच सकारात्मक होनी चाहिए ।



**विचार मंथन**



॥ करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान ॥



**अध्ययन कौशल**



समाज सेवी महिला की जीवनी पढ़कर प्रेरणादायी अंश चुनो और बताओ ।

**समझो हमें**

**\* पंचमाक्षर (ङ, ज, ण, न, म) के अनुसार पतंगों में उचित शब्दों की जोड़ियाँ मिलाओ ।**



जैसे-कंगना

कंगना, संघमित्रा  
पंख, कंकाल



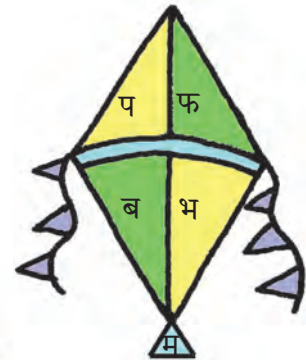
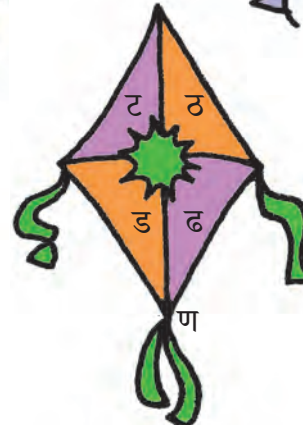
गंधर्व, अंदर  
अंतिम, मंथन



चंचल, जंजाल  
पंछी, झंझा



कंठ, डंडा  
पंढरी, घंटा



चंबल, इंफाल  
अचंभा, चंपारन